इमरान के अमेरिकी दौरे से पहले पाक को बड़ा झटका, US ने कहा- नहीं मिलेगी अमेरिकी सहायता

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के यूएस दौरे से पहले अमेरिका ने पाकिस्तान को तगड़ा झटका देते हुए कहा है कि उसे मिलने वाली आर्थिक सहायता पर अभी प्रतिबंध लगा रहेगा।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के अमेरिकी दौरे से पहले पाकिस्तान को अमेरिका की ओर से बड़ा झटका मिला है। इमरान खान के अमेरिकी दौरे से पहले पाकिस्तान ने मोस्ट वॉन्टेड आतंकी हाफिज सईद को गिरफ्तार कर अमेरिका को खुश करने की बहुत कोशिश की है। बताया जा रहा है पाकिस्तान ने मोस्ट वॉन्टेड आतंकी हाफिज सईद की गिरफ्तारी अमेरिका को ध्यान में रखते हुए की थी। लेकिन लगता है अमेरिका किसी भी तरह से पाकिस्तान को बख्शने वाला नहीं है। अमेरिकी कांग्रेस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों के खिलाफ पाकिस्तान की ओर से निर्णायक कार्रवाई न होने तक उसे अमेरिकी की ओर से मिलने वाली सुरक्षा सहायता बंद रहेगी।

बता दें, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर अमेरिका ने

जनवरी 2018 में पाकिस्तान को दी जाने वाली अपनी सभी सुरक्षा सहायता बंद कर दी थी। ट्रम्प प्रशासन के दौरान व्हाइट हाउस में किसी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा है।

स्वतंत्र कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) ने कहा कि पाकिस्तान कई इस्लामी चरमपंथी और आतंकवादी समूहों के लिए एक अड्डा है, और क्रमिक रूप से पाकिस्तानी सरकारों को व्यापक रूप से सहन करने और यहां तक कि इस्लामाबाद के अपने पड़ोसियों के साथ ऐतिहासिक संघर्षों में समर्थक के रूप में समर्थन करने के लिए माना जाता है। सीआरएस अमेरिकी कांग्रेस का एक स्वतंत्र और द्विदलीय शोध विंग है, जो सांसदों को सूचित निर्णय लेने के लिए ब्याज के मुद्दों पर आवधिक रिपोर्ट तैयार करता है। इसकी रिपोर्ट क्षेत्र के प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा तैयार की जाती है और इसे कांग्रेस का आधिकारिक दृष्टिकोण नहीं माना जाता है।

कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) ने पाकिस्तान पर एक हालिया रिपोर्ट में कहा, %पाकिस्तान कई इस्लामी चरमपंथियों एवं आतंकवादी समूहों का पनाहगाह है और पाकिस्तान में आने वाली सरकारों के बारे में माना जाता है कि उन्होंने इसे बर्दाश्त किया और पाकिस्तान के उसके पड़ोसियों के साथ ऐतिहासिक संघर्षों में कुछ ने प्रतिनिधि बनकर इनका समर्थन भी किया है।

सीआरएस की नवीनतम रिपोर्ट ने सांसदों को बताया कि 2011 में अलकायदा के आतंकी ओसामा बिन लादेन ने पाकिस्तान में वर्षों से शरण का आनंद लिया था। जिससे द्विपक्षीय संबंधों की गहन अमेरिकी सरकार ने जांच की। सीआरएस अमेरिकी कांग्रेस की स्वतंत्र एवं द्विपक्षीय शोध शाखा है जो सांसदों के हित के मुद्दों पर समय-समय पर रिपोर्ट तैयार करती है ताकि वे सूचना के आधार पर निर्णय कर सकें। इसकी रिपोर्ट क्षेत्र के विशेषज्ञ तैयार करते हैं और इसे कांग्रेस का आधिकारिक विचार नहीं माना जाता है।

ट्रंप के ईरानी ड्रोन मार गिराने के दावे पर बोला ईरान- 'US ने अपना ही ड्रोन गलती से मार गिराया'

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन. ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव बढता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को अमेरिकी युद्धपोत द्वारा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज **(Strait of Hormuz)** में एक ईरानी ड्रोन को मार गिराए जाने का दावा किया। अब अमेरिका द्वारा इस दावे के बाद ईरान ने पलटवार किया है। ईरान के उप विदेश मंत्री अब्बास अर्घाची ने किसी भी ड्रोन के खो जाने से इनकार कर दिया और संकेत दिया कि अमेरिका अपने ड्रोन गलती से भी गिरा सकता है। हम स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज (Strait of Hormuz)में न तो कोई ड्रोन खो चुके हैं और न ही कहीं और। मुझे चिंता है कि यूएसएस बॉक्सर ने गलती से अपने ही यूएएस को गोली मार दी है। इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री मो. जारिफ ने भी ऐसी किसी घटना से इनकार किया।

बात दें, न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रम्प ने कहा कि यूएसएस बॉक्सर, अमेरिकी नौसेना के एक जहाज ने एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया है, जिसने 1000 गज की दूरी के भीतर उड़ान भरकर अमेरिकी युद्धपोत को धमकी दी। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि ड्रोन से जहाज और जहाज के चालक दल की सुरक्षा को खतरा था ।ऐसे में इस ईरानी ड्रोन को मार गिराया जाना 'रक्षात्मक कार्रवाई' कहा जा रहा है।

एक तरफ जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावे किए तो वहीं दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री मो. जारिफ ने ऐसी किसी घटना से इनकार

किया। ईरान के शीर्ष राजनयिक ने कहा है कि उन्हें ईरान के ड्रोन के नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ईरानी विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद ज़रीफ़ ने कहा कि हमें ड्रोन खोने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

इससे पहले पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता जोनाथन हॉफमैन ने एक बयान में कहा कि यूएसएस बॉक्सर ने स्ट्रेट ऑफ हॉरमुज के नियोजित इनबाउंड पारगमन के दौरान सुबह 10 बजे लगभग ड्रोन को नीचे गिरा दिया। बयान में कहा गया है कि एक निश्चित विंग मानव रहित हवाई प्रणाली (ड्रोन) यूएसएस बॉक्सर के पास पहुंची और एक खतरनाक रेंज में बंद हो गई। जहाज ने जहाज की सुरक्षा और उसके चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन के खिलाफ रक्षात्मक कार्रवाई की।

अमेरिका-ईरान में ड्रोन वॉर !

अमेरिका और ईरान में पहले से ही काफी तनाव है, कुछ दिनों पहले ही अमेरिका के एक शक्तिशाली ड्रोन को ईरान ने मार गिराया। दोनों देशों ने अपने-अपने दावे किए हैं, पर अमेरिका ने स्वीकार किया है कि ईरान ने उसके 18 करोड़ डॉलर के शक्तिशाली जासूसी ड्रोन को गिरा दिया है। इसके फौरन बाद ईरान ने ऐलान कर दिया कि वह जंग के लिए पूरी तरह से तैयार है। आपको बता दें कि गल्फ क्षेत्र में बढ़ता तनाव पूरी दुनिया के लिए चिंता की बात है क्योंकि यह खबर ऐसे समय में आई जब हाल ही में एक रिपोर्ट में आशंका जताई गई थी कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के चलते परमाणु युद्ध हो सकता है।

एक बार फिर दहला न्यूजीलैंड का क्राइस्टचर्च शहर, बड़ा गैस धमाका, छह लोग घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वेलिंगटन. यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च शहर में एक बड़ा गैस धमाका हो गया है। इस हादसे में 6 लोग घायल हो गए। वहीं इस घटना के बाद दर्जनों घरों को खाली करा लिया गया है। इस गैस धमाके में एक घर पूरी तरह तबाह हो गया, वहीं आसपास के मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। हालांकि इस हादसे में अबतक किसी की मौत नहीं हुई है। विस्फोट मीलों दूर आसपास महसूस किया गया। कुछ लोगों को डर लगा कि यह एक भूकंप या बम हो सकता है ।बाद के शो के फुटेज से पता चलता है कि घर लकड़ी और मलबे के ढेर में सिमट गया था और आग की लपटें निकल रही थीं।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यह एक गैस धमाका था, हालांकि उन्होंने कहा है कि वे अभी भी इसके कारण की जांच कर रहे हैं। एक चश्मदीद इयान लैकी ने स्टफ वेबसाइट को बताया कि उन्होंने अपने शरीर के माध्यम से दबाव की लहर महसूस की और सोचा कि यह एक विमान दुर्घटना हो सकती है। वह कहते हैं कि छत की टाइलें ओलों की तरह बरसती हैं। आग और आपातकालीन न्यूजीलैंड का कहना है कि आग से पांच पड़ोसी संपत्तियां प्रभावित हुईं। भीषण विस्फोट की आवाज सुनकर लोगों को गोलीबारी की आशंकी महसूस हुई। इससे पहले न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च शहर में दो मस्जिदों में हमला हुआ था जिसमें 51 लोग मारे गए थे। लोगों को याद आया क्राइस्टचर्च धमाका 4 महीने पहले न्यूजीलैंड में क्राइस्टचर्च शहर में की दो मस्जिदों में हमला हुआ था, जिसमें 51 बेगुनाह लोग मारे गए थे। क्राइस्टचर्च में स्वचालित हथियारों से लैस एक बंदूकधारी ने मस्जिद पर हमला किया था, जिसमें 51 लोग मारे गए थे। हमले के वक्त सभी लोग मस्जिद में प्रार्थना कर रहे थे। हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार अवैध तरीके से खरीदे गए थे। इस हमले के बाद विपक्षी दलों के समर्थन से सरकार ने न्यूजीलैंड के बंदूक कानूनों को सख्त करने के लिए कई बदलाव किए।

South korea: टोक्यो और सियोल में जारी विवाद के बीच व्यक्ति ने खुद को लगाई आग

सियोल और जापान में जारी विवाद के बीच साउथ कोरिया में जापान एम्बेसी के सामने एक व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सियोल. दक्षिण कोरिया में एक व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। पुलिस का कहना है कि व्यक्ति ने सोल और टोक्यो के बीच बढ़ते व्यापार विवादों के बीच सोल में जापानी दूतावास के सामने खुद को आग लगा ली। पुलिस ने आगे कहा कि 70 के दशक में भी इस व्यक्ति ने अपनी कार के अंदर आग लगा दी थी। जो शुक्रवार को जापानी दूतावास के सामने एख इमारत में खडी थी। पुलिस ने बताया कि उस शख्स को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी हालत की जानकारी नहीं दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वह बेहोश है। फिलहाल, यह पता नहीं चल पाया है कि उसने ऐसा क्यों किया। लेकिन यह हादसा ऐसे वक्त हुआ है जब सियोल और टोक्यो के बीच संबंध सबसे नाजुक स्थिति में हैं। क्योंकि, जापान ने हाल ही में कुछ उच्च तकनीक सामग्री के निर्यात नियंत्रण को कड़ा कर दिया है। पुलिस का कहना है कि आदमी की कार में ज्वलनशील (flammable materials) संदिग्ध आग पदार्थ पाए गए थे। फिलहाल, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि व्यक्ति ने ऐसा क्यों किया।